"पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली: ई-ग्रंथालय" पर दो दिवसीय कार्यशाला, मध्यप्रदेश

महाराजा जीवाजीराव पुस्तकालय, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, मध्यप्रदेश के सहयोग से **ई-ग्रन्थालय** पुस्तकालय सॉफ्टवेयर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 19 और 20 जुलाई 2024 को महाराजा जीवाजी राव पुस्तकालय में आयोजित किया गया।

विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अखिलेश पांडे के मार्गदर्शन में कार्यशाला का शुभारंभ विक्रम विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलगुरु डॉ. शैलेंद्र शर्मा द्वारा एवं महाराजा जीवाजीराव पुस्तकालय के प्रभारी एवं पुस्तकालय विज्ञान अध्ययनशाला के आचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन द्वारा किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में ई-ग्रंथालय के राज्य समन्वयक, श्री जितेन्द्र कुमार पाराशर, जाइंट डॉयरेक्टर (IT) राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, उपस्थित थे।

कार्यशाला में 19 और 20 जुलाई 2024 को ई-ग्रन्थालय पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के एडमिन मॉड्यूल, कैटलॉगिंग मॉड्यूल, सर्कुलेशन मॉड्यूल, सीरियल कंट्रोल मॉड्यूल एवं वेब ओपेक के बारे में विस्तार से प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गई, तथा साथ ही हैंड्स ऑन ट्रैनिंग प्रैक्टिकल भी सभी प्रतिभागियों द्वारा किया गया। कार्यशाला में विक्रम विश्वविद्यालय की विभिन्न अध्ययनशाला के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं अधिकारी कर्मचारी तथा उज्जैन संभाग के विभिन्न महाविद्यालयों के लाइब्रेरियन सहित 88 प्रतिभागी उपस्थित थे।

श्री पाराशर ने अपने सम्बोधन मे ई-ग्रंथालय के परियोजना के विस्तृंत स्वरूप तथा लाइब्रेरी ऑटोमेशन को सफल करने में एनआईसी के सतत प्रयासों की जानकारी दी | उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश के बीच प्रदेश के समस्त 528 शासकीय महाविद्यालयों में ई-ग्रंथालय परियोजना के क्रियान्वचयन हेतु निष्पादित 5 वर्षीय अनुबंध (MOU) किया गया है। अभी तक 270 प्रशिक्षणार्थियों को e-Granthalaya आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त सभी महाविद्यालय को ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। इसके परिणाम स्वरूप लगभग 380 महाविद्यालय की लाइब्रेरी e-Granthalaya Online Software पर कार्यशील हो चुके हैं।

कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अखिलेश पांडे ने की साथ ही अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय पुस्तकालय में ई-ग्रन्थालय सॉफ्टवेयर को 100% उपयोग करने पर बल दिया।

ई-ग्रन्थालय कार्यशाला, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन कार्यक्रम की कुछ झलकियां :-

कार्यशाला परियोजना पर व्याख्यान

ई- ग्रन्थालय सॉफ्टवेयर पर हैंड्स ऑन ट्रैनिंग प्रैक्टिकल

“पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली: ई-ग्रंथालय” पर दो दिवसीय कार्यशाला समापन छायाचित्र

समाचार पत्रों मे प्रकाशित समाचार

दैनिक क्षिप्रा के स्वर

■ वर्ष : 32 ■ अंक : 63 ■ उज्जैन रविवार 21 जुलाई 2024 ■ विक्रम संवत् 2081 ■ संस्करण : नगर ■ पृष्ठ : 8 ■ कीमत 1 रुप

महाराजा जीवाजीराव पुस्तकालय, विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा दो दिवसीय ई–ग्रन्थालय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ

उज्जैन 20 जुलाई। महाराजा जीवाजीराव पुस्तकालय, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा राष्ट्रीय सूचना केंद्र, राजभवन भोपाल के सहयोग से ई-ग्रन्थालय पुस्तकालय सॉफ्टवेयर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन महाराजा जीवाजीराव पुस्तकालय भवन में हुआ।

कार्यशाला का शुभारंभ विक्रम विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलगुरु डॉ. शैलेंद्र कुमार शर्मा द्वारा एवं महाराजा जीवाजीराव पुस्तकालय के प्रभारी एवं पुस्तकालय विज्ञान अध्ययनशाला के आचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन द्वारा किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में राष्ट्रीय सूचना केंद्र, राजभवन के जाईंट डॉयरेक्टर श्री जितेंद्र पाराशर और सॉफ्टवेयर डेवलेपर श्री मोहनलाल उपस्थिति थे। इस कार्यशाला में प्रथम दिन पर ई-ग्रन्थालय पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के एडमिन मॉड्यूल, कैटलॉगिंग मॉड्यूल, सर्कुलेशन मॉड्यूल के बारे में विस्तार से प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गई साथ ही हैंड्स ऑन ट्रैनिंग प्रैक्टिकल भी सभी प्रतिभागियों द्वारा किया गया। कार्यशाला में विक्रम विश्वविद्यालय की विभिन्न अध्ययनशाला के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं अधिकारी कर्मचारी तथा उज्जैन संभाग के विभिन्न महाविद्यालयों के लाइब्रेरियन उपस्थिति थे। आभार पुस्तकालय विज्ञान अध्ययनशाला के अध्यक्ष डॉ. राज चौरिया द्वारा किया गया।

महाराजा जीवाजीराव पुस्तकालय, विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा दो दिवसीय ई-ग्रन्थालय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ

इंदौर, (विनय उजाला)। महाराजा जीवाजीराव पुस्तकालय, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा राष्ट्रीय सूचना केंद्र, राजभवन भोपाल के सहयोग से ई-ग्रन्थालय पुस्तकालय सॉफ्टवेयर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन महाराजा जीवाजीराव पुस्तकालय भवन में हुआ। कार्यशाला का शुभारंभ विक्रम विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलगुरु डॉ. शैलेंद्र कुमार शर्मा द्वारा एवं महाराजा जीवाजीराव पुस्तकालय के प्रभारी एवं पुस्तकालय विज्ञान अध्ययनशाला के आचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन द्वारा किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में राष्ट्रीय सूचना केंद्र, राजभवन के जाईंट डॉयरेक्टर श्री जितेंद्र पाराशर और सॉफ्टवेयर डेवलेपर श्री मोहनलाल उपस्थिति थे। इस कार्यशाला में प्रथम दिन पर ई-ग्रन्थालय पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के एडमिन मॉड्यूल, कैटलॉगिंग मॉड्यूल, सर्कुलेशन मॉड्यूल के बारे में विस्तार से प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गई साथ ही हैंड्स ऑन ट्रैनिंग प्रैक्टिकल भी सभी प्रतिभागियों द्वारा किया गया। कार्यशाला में विक्रम विश्वविद्यालय की विभिन्न अध्ययनशाला के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं अधिकारी कर्मचारी तथा उज्जैन संभाग के विभिन्न

- संकलन श्री जितेंद्र पाराशर ,वैज्ञानिक डी